ज्ञानदीप

(त्रैमासिक सूचना पत्र)

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 411 001

आई. एस. ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का

प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान - डी ओ टी (020)
26122271, 26123436
26123680, 26113455
रेलवे - 55222, 55862

छात्रावास - डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे - 55980, 55981, 55976

फैक्स : 020-26128677
रेलवे : 55860,
ई-मेल : mail@iricen.gov.in
टेलीग्राम : रेलपथ
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष - 12 **अंक - 46** **अप्रैल- जून 2008**

इस अंक में

1. रेल सप्ताह समारोह - 2008
2. प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक एवं मुख्य सामाय इंजीनियरों का सेमिनार
3. पुल मानक समिति की 16 वीं (असाधारण) बैठक
4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 99वीं बैठक
5. संस्थान में हिंदी कार्यशाला का आयोजन
6. इरिसेन में चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन
7. व्यक्तिगत नकद पुरस्कार
8. भा.रे.इं.सेवा के परिवीक्षार्थियों की तैनाती परीक्षा
9. उपलब्धियां
10. अन्य पाठ्यक्रम
11. स्वागत / विदाई
12. बधाई / शुभकामनाएं
13. शब्द-ज्ञान
14. सृजन

1. रेल सप्ताह समारोह - 2008



रेल सप्ताह समारोह का दृश्य

संस्थान में 16 अप्रैल, 2008 को रेल सप्ताह धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम प्रशिक्षु अधिकारियों एवं इरिसेन कर्मचारियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात 25 मार्च, 2008 को 50 वें स्थापना दिवस के अवसर पर सदस्य इंजीनियरी द्वारा इरिसेन को दिए गए 1 लाख रु. पुरस्कार की राशि को निदेशक महोदय द्वारा कर्मचारियों में वितरित किया गया। रेल पर संपूर्ण रेलवे के विकास में संस्थान की भूमिका एवं कर्तव्य पर विशेष प्रकाश डालते हुए निदेशक महोदय ने प्रभावशाली संबोधन दिया।

2. प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक एवं मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार



मुख्य सामान्य इंजीनियरों के सेमिनार का दृश्य

दिनांक 22 से 23 मई, 2008 को (सत्र सं. 834) प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक एवं मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया। बैठक के दौरान कार्मिक प्रशिक्षण, भूमि अभिलेख, भू-प्रबंधन एव लागत नियंत्रण पर प्रशिक्षण, जतरोफा-ग्रीनर प्लेनेट, सूचना का अधिकार अधिनियम इत्यादि, विषयों पर विचार विमर्श किया गया। विचार विमर्श के दौरान संकाय अध्यक्ष द्वारा ''पाठ्यक्रम कैलेन्डर 2008 एवं सीटों का उपयोग'', क्षेत्रीय रेलों द्वारा समूह 'ग' एवं समूह 'घ' कर्मचारी का प्रशिक्षण, श्री विजय भार्गव एससीआइएमए, नई दिल्ली द्वारा ''प्रीजर्वेशन एंड

संरक्षक
ए. के. गोयल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
मनोज अरोड़ा
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक - कार्य

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक

सहयोग
अरुण चांदोलीकर
सह प्राध्यापक
अशोक पोलके रा.भा.स. I, आर.जे.पाल, रा.भा.स. II

डिजिटाइजेशन ऑफ लैंड रेकार्ड'', श्री अभिजित शिर्के, एमडी. शिर्के बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, पुणे द्वारा ''जतरोफा प्लानटेशन'', श्री एस सुंदरम, एसीएमआई, लोको वर्क्स, पेराम्बूर द्वारा ''जतरोफा–एक्स्ट्रैक्शन ऑफ बायोडीजल'', श्री पी. सुब्रमण्यम, मगरपट्टा हाऊसिंग, पुणे, ''माडर्न मेथड ऑफ कालोनी मेंटनेन्स'' श्री राइकांत घोड़ीचोर, डिप्टी डायरेक्टर, आरइएमटीआई, पुणे एवं क्षेत्रीय रेल द्वारा ''सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई)'' प्रस्तुतीकरण दिए गए। प्रतिभागियों द्वारा सेमिनार की व्यवस्थाओं की सराहना की गई।

3. पुल मानक समिति की 16वीं (असाधारण) बैठक



पुल मानक समिति की (असाधारण) बैठक का दृश्य

अ.अ.मा.सं. (आरडीएसओ) के तत्वाधान में पुल मानक समिति की 16वीं असाधारण बैठक दिनांक 23 जून एवं 24 जून, 2008 को इरिसेन, पुणे में आयोजित की गई। जिसमें अन्य मदों के अतिरिक्त भारतीय रेल के कंक्रीट ब्रिज कोड में विभिन्न प्रस्तावित संशोधनों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में विभिन्न रेलों से 21 अधिकारी उपस्थित हुए।

4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 99वीं बैठक



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 99वीं बैठक का दृश्य

संस्थान में 31 मार्च, 08 को समाप्त तिमाही की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 99वीं बैठक दिनांक 23 अपैल, 08 को आयोजित की गई। बैठक की उपाध्यक्षता संस्थान के नए उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक/कार्य श्री मनोज अरोड़ा ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिसमें सबसे महत्वपूर्ण निर्णय समेकित पाठयक्रम के व्याख्यान टिप्पणियों का यशाशीघ्र अनुवाद सर्वप्रमुख था।

5. संस्थान में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

रेलवे बोर्ड के दिनांक 17 अगस्त, 06 के पत्र के अनुसार हिंदी कार्यशाला आयोजन के संबंध में वार्षिक कैलेंडर बनाई गई है। तदनुसार संस्थान में मई 2008 में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। अतिथि व्याख्याताओं ने राजभाषा नीति एवं लेखा संबंधी विषयों पर अपने व्याख्यान दिए। कर्मचारियों ने व्याख्यान का भरपूर लाभ उठाया।

6. इरिसेन में चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिबिर का आयोजन



इरिसेन छात्रावास मे चिकित्सक स्वास्थ्य जाँच करते हुए

इरिसेन में दिनांक 28 जून, 2008 को 10.00 बजे से 12.30 बजे तक इरिसेन छात्रावास के ऑडिटोरियम में प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य जांच का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य जांच में भिन्न–भिन्न प्रकार के जांच शामिल हैं जैसे कि सामान्य चिकित्सा जांच, फिजिशियन द्वारा जांच, नेत्र जांच, दंत जांच, आवश्यक प्रयोगशाला परीक्षण एवं डॉक्टरी सलाह इत्यादि। चिकित्सा स्वास्थ्य जांच का आयोजन मध्य रेल, पुणे मंडल के चिकित्सा अधिकारियों द्वारा किया गया। प्रशिक्षुओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से किया गया यह आयोजन अत्यंत सफल रहा।

7. व्यक्तिगत नकद पुरस्कार



निदेशक महोदय प्रमाण–पत्र प्रदान करते हुए

संस्थान मे पहली बार राजभाषा में अधिकाधिक कार्य करनेवाले एक अधिकारी एवं एक कर्मचारी को रेलवे बोर्ड द्वारा व्यक्तिगत नकद पुरस्कार योजना के अंतर्गत 1000/- रु. का नकद पुरस्कार एवं

प्रमाणपत्र दिया गया। कर्मचारी वर्ग में पुरस्कार प्राप्त श्री अतुल घोड़ेकर, छात्रावास अधीक्षक–। को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 99 वीं बैठक में निदेशक महोदय ने अपने कर कमलों से प्रमाण–पत्र प्रदान किया तथा उपस्थित सदस्यों को इससे प्रोत्साहन लेने की प्रेरणा दी।

8. भा. रे. इं. सेवा के परिवीक्षार्थियों की तैनाती परीक्षा

सत्र संख्या –801 के अंतर्गत दिनांक 26 मई, 08 से 06 जून, 08 तक भा.रे.इं.से. (परि.) के 2005 परीक्षा बैच के परिवीक्षार्थियों के लिए तैनाती परीक्षा का आयोजन किया गया था। तैनाती परीक्षा में 46 भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थी अधिकारियों ने भाग लिया एवं परीक्षा के पश्चात उन्हें विभिन्न रेलों में तैनाती स्थान पर नियुक्ति के आदेश दिए गए।

9. उपलब्धियां

श्री विवेक भूषण सूद, प्राध्यापक/रेलपथ–2 दिनांक 16 एवं 17 मई, 08 को एन आई टी, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश में 'सिविल इंजीनियरी 2008 में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट' पर आयोजित सेमिनार में उपस्थित हुए तथा ''भारतीय रेल पर ब्रिज मैंनेजमेंट सिस्टम'' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

श्री मनोज अरोड़ा प्राध्यापक/कार्य को दिनांक 26 मई से 23 जून 08 तक एडवांस मैनेजमेंट प्रोग्राम के लिए रेलवे स्टाफ कॉलेज, वड़ोदरा में नामित किया गया। उनके द्वारा अर्जित ज्ञान का उपयोग संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आनेवाले प्रशिसु अधिकारियों के बीच प्रसारित किया जाएगा।

10. अन्य पाठ्यक्रम :

- दि. 11 फरवरी से 25 अप्रैल 08 तक समेकित पाठ्यक्रम।
- दि. 25 फरवरी से 18 अप्रैल 08 तक भा.रे.इं.से. (परि.) 2006 परीक्षा बैच के लिए चरण 1 पाठ्यक्रम।
- दि. 17 मार्च से 11 अप्रैल 08 तक वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।
- दि. 28 अप्रैल से 11 जुलाई 08 तक समेकित पाठ्यक्रम।
- दि. 21 अप्रेल से 02 मई 08 तक कार्य पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
- दि. 21 अप्रैल से 16 मई 08 तक वरिष्ठ व्या. पाठ्यक्रम (पुल एव सामान्य)
- दि. 05 मई से 23 मई तक पुल पुनश्चर्या –2 पाठयक्रम।
- दि. 26 मई से 06 जून तक रेलपथ पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

11. स्वागत/विदाई

स्वागत

भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा 1985 बैच के श्री नरेश लालवानी ने 1 अप्रैल, 2008 को वरिष्ठ प्राध्यापक/कार्य का प्रभार संभाल लिया है। इरिसेन में नियुक्ति से पहले आप मु.इंजी. कारखाना. पश्चिम रेल पर कार्यरत थे। आपने 'गोविंददास सक्सेरिया इंस्टीट्युट ऑफ टेक्नॉलाजि.' इंदौर से सिविल इंजीनियरिंग में स्थानक की डिग्री प्राप्त की एवं सहा. इंजी. लंबडिंग, उ.सी.रेलवे के रुप में अपने कैरियर की शुरूआत की तथा मं. इंजी. लंबडिंग के रुप में भी आपने कार्य किया। आपने वरि. मं. इंजी. तिनसुकिया तथा उप मु.इंजी. गोलपारा उ.सी.रे., उप मु. इंजी. अजमेर, उप मु. इंजी. नि.अहमदाबाद, मु. इंजी. नि. योजना, चर्चगेट, वरि. मं. इंजी. मुख्यालय मुंबई सेंट्रल एवं उप मु. इंजी. टी. एस. चर्चगेट, पश्चिम रेलवे के रुप में भी कार्य किया है।



● भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के 1988 बैच के अधिकारी श्री मनोज अरोड़ा प्राध्यापक/कार्य ने श्री घनश्याम बंसल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक/पुल के रेलवे बोर्ड में निदेशक (सतर्कता) के पद पर स्थानांतरण के उपरांत दिनांक 28 मार्च, 2008 को संस्थान के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का पद भार ग्रहण कर लिया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



● श्री श्याम खोचे ने दिनांक 16 जून 2008 को संस्थान में सहायक कार्यकारी इंजीनियर का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप स.का.इंजी. (निर्माण), रामगंज मंडी, कोटा मंडल, पश्चिम रेल में कार्यरत थे। आप दिनांक 02 जून 2002 को समूह 'ख' में पदोन्नत हुए। आपने सिविल इंजीनियरी (आनर्स) में डिप्लोमा किया है। दक्षिण पूर्व रेल में आई ओ डब्ल्यू (कंस्ट्रक्शन) के पद पर बिलासपुर एवं चंपा तीसरी लाईन की बड़ी परियोजना में आपने कार्य किया है। बिलासपुर में 3 वर्ष के लिए भू–तकनीकी प्रयोगशाला में गुणवत्ता नियंत्रण प्रभारी के रुप में सफलतापूर्वक कार्य किया तथा उसी दौरान प्रयोगशाला के लिए आईएसओ प्रमाणपत्र प्राप्त किया। उपरोक्त प्रयोगशाला में मृदा परीक्षण, गिट्टी एवं विभिन्न प्रकार के मिक्स डिजाईन का भी कार्य आपके द्वारा किया गया। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



विदाई

● भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के 1981 बैच के अधिकारी श्री एन.सी. शारदा का स्थानांतरण मुख्य इंजीनियर/मुख्यालय, दक्षिण रेलवे के पद पर हुआ है। आपने संस्थान मे प्राध्यापक / पुल, व प्रा. / कार्य इत्यादि विभिन्न पदों पर लगभग 8 वर्षो तक कार्य किया है। दिनांक 1 अप्रैल, 2008 को आपको कार्यभार मुक्त कर दिया गया। संस्थान आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।



12. बधाई/शुभकामनाएं

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

03 जुलाई – श्री विवेक भूषण सूद, प्राध्यापक–रेलपथ–2
23 अगस्त – श्री आर. के. यादव, वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ
18 सितंबर – श्री श्याम खोचे, सहा. कार्य. इंजी. –2

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

04 अगस्त – श्री विवेक भूषण सूद, प्राध्यापक–रेलपथ –2

कर्मचारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

14 जुलाई – श्रीमती नेहा सप्तर्षि, सहा. ग्रंथपाल
20 जुलाई – श्री हरि विश्वकर्मा, कारपेन्टर ग्रेड–1
23 जुलाई – श्री राजू ताराचंद, वरिष्ठ सफाईवाला
11 अगस्त – श्री राजन, सहायक रसोईया
12 अगस्त – श्रीमती शांति सर्वनन, एमआर खलासी
12 अगस्त – श्री रामू तायप्पा, खलासी
21 अगस्त – श्री विनायक ना. सोहोनी, तकनीकी सहायक पुल
22 अगस्त – श्री लव प्रकाश श्रीवास्तव, प्र.अनु.सहा./खेलकूद अधीक्षक
24 अगस्त – श्री श्रीमती विद्या जम्मा, निजी सहायक
01 सितंबर – श्री कुंडलिक तुकाराम मोरे, खलासी
10 सितंबर – श्री रमेश दादू, माली
12 सितंबर – श्री विजय हीरामन, खलासी
18 सितंबर – श्री प्रवीण रासकर, खलासी
21 सितंबर – श्री शिवशंकर शिंगे, खलासी

कर्मचारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

06 जुलाई – श्री एम. पेची, रसोइया
07 जुलाई – श्री परमेश्वर, खलासी
11 जुलाई – श्रीमती नेहा सप्तर्षि, सहायक ग्रंथपाल
21 जुलाई – श्री पी. विजयन, रसोइया

13. शब्द ज्ञान

Face Value	अंकित मूल्य	Famine	दुर्भिक्ष, अकाल
Fatigue	श्रांति, थकान	Feasibility	साध्यता
Fictitious	फर्जी, कल्पित	Finshed goods	तैयार माल
Forfeit	जब्त करना		
Flimsy grounds	सारहीन आधार		
Fake Currency	जाली मुद्रा, जाली नोट		
Factual	तथ्य पूर्ण, तथ्यात्मक		

14. सृजन

सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती आबादी, संचार क्रांति के युग में वैश्वीकरण नीति के कारण आगे बढ़ने की होड, जहां विश्व सिमटकर घर आंगन दृश्य मान हो, वहां अपनों ने अपनों का साथ छोड़ दिया है। कहीं हमसे ये आगे न निकल जाएं इसी उधेड़बुन में तनाव ग्रस्त जीवन की बागडोर थामे सरपट दौड़ता भागता मनुष्य। ऐसे में किसी को सफलता हाथ लगती है तो किसी को असफलता। जो सफल हो गया तो मानो उसने बाजी जीत ली। परंतु जो असफल रहा, वो त्रस्त होगा, पराजित होगा या फिर शोक ग्रस्त होगा। ऐसे में उन्हें हमारी सहानुभूति, सहायता या प्रोत्साहन की जरुरत होती है। उस समय उनका आत्मविश्वास लड़खड़ाने लगता है। वैसे समय में उनकी परेशानी का मजा लूटने का मोह रोकना चाहिए और उन्हें सहारा देना चाहिए, उनकी हिम्मत बढ़ानी चाहिए। जो ऐसा करते हैं वे उनके हृदय में हमेशा के लिए स्थान प्राप्त कर लेते हैं। वे अपनी लोकप्रियता की परिधि का भी विस्तार करते है।

दूसरों के सुख–दुख में सच्चे अंत:करण से दिलचस्पी लेना अच्छे संस्कार के लक्षण तो हैं ही, साथ ही व्यवहार कुशलता भी है जो लोगों को हमारी ओर आकर्षित करती है। हां, इसमें दिखावा, बनावटीपन और उपरी शिष्टाचार नहीं होना चाहिए। जो भावना सच्ची होती है, हृदय से निकलती है, वह हृदय को बांध भी सकती है।

कोई बड़ा आदमी उपर से कितना भी आत्मविश्वासी और आत्मसंतुष्ट क्यों न दिखायी दे, भीतर से वह हमारी– आपकी तरह प्रशंसा का, प्रोत्साहन का, स्नेह का भूखा होता है। यदि आप उसे प्रामाणिकता पूर्वक ले सकें तो आप फौरन उसके हृदय के करीब होंगे। दूसरों की भावनाओं को ठीक–ठीक समझना, उनकी कद्र करना असल में यही व्यवहार कुशलता है। इसी से सामाजिक जीवन में लोकप्रियता के दरवाजे खोलने की कुंजी हाथ लगती है। इससे हमारी सुखशांति बढ़ती है सो अलग।

अत: इस भागमभाग की जिंदगी में भी सबको साथ लेकर चलने की भावना आत्मतुष्टि का बोध कराती है। बुराई में रस लेना बुरी बात है। अच्छाई को उतना ही रस लेकर उजागर न करना और भी बुरी बात है। सैंकड़ो घटनाएँ ऐसी घटती हैं जिन्हे उजागर करने से लोक चित्र में अच्छाई के प्रति अच्छी भावना जागती है। इति.

अरुणाभा ठाकुर
रा.अधी

नैंनं छिंदंति शस्त्राणि नैनं दहति पावक:।
न चैनं क्लेदयन्तापो न शोष्यति मारुत:॥
(गीता के दूसरे अध्याय का 23 वां श्लोक)

अर्थात.....
काट न सकते अस्त्र शस्त्र हैं, इसे न सकती आग जला।
हवा न इसे सुखा सकती है, पानी सकता नहीं गला॥
सूखे कहीं न हो यह गीला, जलता नहीं न कट सकता ॥
नित्य, व्याप्त, स्थिर, अटल, सनातन आत्मा कभी नहीं मरता॥
(लोकगीता से साभार)

आशा और आत्मविश्वास ही वे वस्तुएँ है जो हमारी शक्तियों को जागृत करती हैं और हमारी उत्पादन–शक्ति को दुगना–तिगुना बढ़ा देती है।
स्वेट मार्डेन

मनोज अरोड़ा, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक/कार्य, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित एंव मेसर्स, **कल्याणी कॉर्पोरेशन,** 1446, सदाशिव पेठ, पुणे– 411030.
फोन : 24486080 द्वारा मुद्रित। (3000 प्रतियां)